



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 21] नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 15, 1990/पौष 25, 1911  
[No. 21] NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 15, 1990/PAUSA 25, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 1989

को० आ० 42(अ):—केन्द्रिय सरकार, स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम, 1968 (1968 का 45) की धारा 109 द्वारा एवरन शक्तिर्षी का प्रयोग करने हुए, यह विचार करने हुए कि ऐसा करना जनहित में आवश्यक और समीचीन है, भारत के राजपत्र असाधारण, नम्रंक 20-10-1986 में प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना, नं० आ० को० 209(अ) में निम्नलिखित संशोधन करने के लिए।

126 C.F. 90

(1)

उक्त अधिसूचना में "अपने सगे भाई अथवा अपने पुत्र अथवा अपनी पुत्री" शब्दों के स्थान पर निम्न-  
लिखित शब्द रखे जायेंगे, अर्थात् :—

‘अपने पति या पत्नी, पिता, माता, सगे भाई, सगी बहिन, पुत्र या पुत्री’।

[अधिसूचना सं० 1/90-जी.सी./फा० सं० 131/20/86-जी.सी.]

दि० ३० दिसम्बर, अथवा तत्पश्चात्

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 15th December, 1989

S.O. 12(E) :—In exercise of the powers conferred by section 161 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), the Central Government, being of opinion that it is necessary and expedient in the public interest so to do, hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) S.O. 798(E) published in the Gazette of India, extraordinary dated 30-10-1986 :

In the said notification, for the words "real brother or his son or his daughter", the following words shall be substituted, namely :—

"Spouse, father, mother, real brother, real sister, son or daughter".

[Notification No. 1/90-GC(F, No. 131/20/86-GC)]

K. J. REDDY, Addl. Secy.